


---

# Rishi Agastyaproktam Shivarchanamahimopadesham

——  
ऋषि अगस्त्यप्रोक्तं शिवार्चनमहिमोपदेशम्

——  
Document Information



---

Text title : Rishi Agastyaproktam Shivarchanamahimopadesham

File name : shivArchanamahimopadesham.itx

Category : shiva, shivarahasya, upadesha, advice

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 26

kumbhaghonaMahimAnuvarNanam | 357-362||

Latest update : June 16, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 16, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Rishi Agastyaproktam Shivarchanamahimopadesham

---

### ऋषि अगस्त्यप्रोक्तं शिवार्चनमडिमोपदेशम्

---



(शिवरडस्थान्तर्गते उग्राण्ये)

संसारसर्पदृष्टानां शिपिविद्यार्थनं कृलम् ।

सञ्जुविनी तदन्यत्तु नैव सञ्जुविनी ध्रुवम् ॥ ३५७ ॥

यः कुर्यात्कृतपापोऽपि मडादेवार्चनं मुदा ।

स सर्वेभ्योऽपि पापोभ्यो मुक्तो मुक्तिं य विन्दति ॥ ३५८ ॥

तेषां न नरकाद्भीतिः संसारादपि सर्वथा ।

येषामस्ति मडादेवे भक्तिरव्यभियारिणी ॥ ३५९ ॥

शिवभक्तिः स्वयं साक्षाद्भुक्तिदा परमुक्तिदा ।

सा भक्तिर्भूशितपसा धन्यानां भवति द्विज ॥ ३६० ॥

शिवार्चनात्परो धर्मो नास्ति न श्रूयतेऽपि वा ।

सत्यमेतत्पुनः सत्यं सत्यमेतन्न संशयः ॥ ३६१ ॥

भजनीयो मडादेवो जपनीयः षडक्षरः ।

स्मरणीयः शिवानाथः पूजनीयश्च शङ्करः ॥ ३६२ ॥

॥ षति शिवरडस्थान्तर्गते ऋषि अगस्त्यप्रोक्तं शिवार्चनमडिमोपदेशं सम्पूर्णां ॥

- ॥ श्रीशिवरडस्थम् । उग्राण्यः सप्तमांशः । अध्यायः २६ कुम्भघोषामडिमानुवर्णनम् । ३५७-३६२ ॥

- ... shrIshivarahasyam . ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 26 kumbhaghonamahimAnuvarNa . 357-362..

Notes:

Rṣi Agastya ऋषि अगस्त्यः, delivers Upadeśa उपदेश about merits of worshipping Śiva शिव and recommends Japa जप of Śiva Ṣaḍakṣara mantra शिव षडक्षर मन्त्र.

Proofread by Ruma Dewan

*Rishi Agastyaproktam Shivarchanamahimopadesham*  
pdf was typeset on June 16, 2024

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

